# कलयुगी दामाद ने अपनी सास को उतारा मौत के घाट

## सिर पर बैट से किए ताबड़तोड़ वार, आरोपी दामाद फरार

नवभारत न्यूज

**पन्ना, 02 मई। पन्ना जिले के बृजपुर थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत अहिरगवां के उड़की में मानवता को शर्मसार कर देने वाली एक जघन्य वारदात सामने आई है। यहाँ एक दामाद ने अपने ही रिश्तों का कत्ल करते हुए अपनी सास को लकड़ी के बैट से पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया। इस सनसनीखेज हत्याकांड के बाद से पूरे इलाके में दहशत और हड़कंप का माहौल है।**

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतका रीता राय (50 वर्ष) की सबसे छोटी बेटी खुशी राय की शादी बीते वर्ष 23 मई 2025 को सतना जिले के ग्राम गौड़ा (पंचायत उसरर) जिला सतना निवासी संदीप विश्वास (28) वर्ष के साथ हुई थी। परिजनों का आरोप है कि शादी के बाद से ही संदीप और उसके घरवाले मोटरसाइकिल और स्मार्टफोन की मांग को लेकर खुशी को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित कर रहे थे। बताया जा रहा है कि गुरुवार को आरोपी संदीप अपनी गर्भवती पत्नी खुशी को उसके मायके छोड़ गया था। इसके बाद, शुक्रवार 1 मई की सुबह वह अपने जीजा के साथ दोबारा ससुराल पहुँचा। यहाँ फिर से दहेज की मांग को लेकर विवाद हुआ। विवाद इतना बढ़ा कि जाते-जाते आरोपी दामाद ने अपनी सास को जान से मारने की धमकी दे डाली। किसी को अंदाजा नहीं था कि वह अपनी इस धमकी को चंद घंटों में ही हकीकत में बदल देगा।

पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों के बयानों के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। थाना प्रभारी शक्ति प्रकाश पांडे का कहना है कि पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए प्राथमिकी दर्ज कर ली है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए अलग-अलग टीमें गठित की गई हैं और सरगर्मी से तलाश जारी है। जल्द ही आरोपी पुलिस की गिरफ्त में होगा। इस घटना ने पूरे गांव को झकझोर कर रख दिया है। एक तरफखुशी राय गर्भवती है और घर में नए मेहमान के आने की तैयारी थी, वहीं दूसरी तरफउसके पति ने ही उसकी माँ का कत्ल कर खुशियों को मातम में बदल दिया। फिलहाल पुलिस आरोपी की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है।

### सास बना रही थी खाना

मृतका के देवर संजय राय ने बताया कि रात करीब 9 बजे रीता राय घर में खाना बना रही थीं। तभी आरोपी संदीप अचानक वहाँ पहुँचा। उसके हाथ में लकड़ी का एक भारी बैट था। आरोपी ने बिना कुछ सोचे-समझे अपनी सास के सिर पर बैट से हमला कर दिया। बीच-बचाव करने आई अपनी गर्भवती पत्नी खुशी को भी आरोपी ने धक्का देकर गिरा दिया। हैवानियत का आलम यह था कि आरोपी ने अपनी सास के सिर पर एक के बाद एक तीन जोरदार वार किए। हमला इतना घातक था कि रीता राय ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही बृजपुर थाना प्रभारी शक्ति प्रकाश पाण्डेय पुलिस दल-बल के साथ मौके पर पहुँचे।

# श्रमिक दिवस पर ब्रम्हाकुमारी आश्रम का हुआ कार्यक्रम

नवभारत न्यूज

**पन्ना, 02 मई. 1 मई श्रमिक दिवस के अवसर पर ब्रह्माकुमारी विद्यालय में श्रमिकों के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया दीप प्रज्वलित के साथ कार्यक्रम को शुभारंभ करते हुए ब्रह्माकुमारी बहन ने आज की दिवस की सभी को शुभकामना देते हुए कहा कि 1 मई का दिन यूं ही खास नहीं बन गया इसके पीछे संघर्ष,साहस और अधिकारों की लंबी कहानी छिपी है।**

सन 1886 में अमेरिका के शिकागो शहर में हजारों श्रमिक सड़क पर उतरे उनकी मांग थी कि 8 घंटे काम 8 घंटे आराम, 8 घंटे अपने जीवन के लिए आपने कहा जब हम किसी सुंदर घर में प्रवेश करते हैं तो उसकी सजावट की तारीफ करते हैं या हम किसी मजबूत पुल से गुजरते हैं तो उसकी इंजीनियरिंग की सराहना करते हैं लेकिन शायद ही कभी हम सोचते हैं उस घर की हर एक ईट किसने उठाई होगी? उस पुल की नींव में किसके पसीने की बूंदे गिरी होगी? श्रम ही सच्ची पूजा है और कर्म ही सबसे बड़ी साधना है जब एक कारीगर अपने भीतर शांति,पवित्रता और सकारात्मक को विकसित करता है तो उसके कारीगरी में दिव्यता झलकने लगती है उसका काम केवल रोजगार नहीं रहता बल्कि समाज सेवा और आत्मा उन्नति का माध्यम बन जाता है आज इस पावन अवसर पर हम सभी को कुछ संकल्प लेने होंगे हम हर श्रमिक का सम्मान करेंगे हम अपने कार्य को श्रेष्ठ भावना और ईमानदारी से करेंगे हम नशा मुक्त, संस्कारी और अनुशासित जीवन अपनाएंगे हर रोज जीवन में ध्यान मेडिटेशन को अपना कर अपने मन को शक्तिशाली बनाएंगे। कार्यक्रम में श्रीमती निशा जैन पूर्व प्राचार्य ने कहा अपने को कभी भी छोटा ना समझे कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी बहन ने बड़ी भावना से सभी का तिलक, गमछा एवं ईश्वरीय साहित्य उपहार देकर सम्मान किया।

# प्रचंड गर्मी और उमस से जनजीवन अस्त-व्यस्त

नवभारत न्यूज

**पन्ना, 02 मई। आग उगलती सूर्य की किरणों की तपिश और जमीन से उठती गर्म हवाओं के बीच लोग प्रचंड गर्मी झेलने को विवश है। मई माह के प्रथम सप्ताह में भीषण गर्मी से लोगों की दिनचर्या बेपटरी हो गई है। भीषण गर्मी के कारण उमस भी लगातार बढ रही है।**

गर्म रातें भी लोगों की नींद उडा रही हैं लिहाजा लंबे समय से चल रही प्रचंड गर्मी एंव तीखी धूप के प्रकोप से जिले का जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। कल सुबह आठ बजे के बाद से बाहर निकलने में तीखी धूप का सामना करना पडा। जैसे जैसे दिन चढता गया गर्मी की तपिश बढ़ती जाती है। दोपहर में शहर की सडकों पर सन्नाटा पसर जाता है। बाजार में लोगों की आवाजाही गर्मी के कारण कम होने से दुकानदार भी परेशान हैं। लोग गर्मी से बचने के लिए घरों में कैद रहते हैं। तापमान अधिक रहने के कारण घरों में बिस्तर भी गर्म हो रहा है। पंखे से भी गर्म हवा निकल रही है। कूलर, एसी भी भरपूर ठंडक देने में सक्षम नहीं भीषण गर्मी से बेहाल पशु पक्षी पानी खोजते फिर रहे हैं। मनुष्य तो किसी तरह पानी की व्यवस्था कर ले रहे हैं, लेकिन पशुओं की परेशानी बनी हुई है। पालतू जानवर एवं जंगली जानवर, पक्षी पानी को खोजते हुए दूर दूर तालाब नदी तालाब नदी नालों तक निकलने को मजबूर हो रहे हैं।

### हीट स्ट्रोक का बढ़ा खतरा

भीषण गर्मी से लोगों को हीट स्ट्रोक का खतरा बढ़ गया है। शहर में अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। चिकित्सकों की सलाह है कि पानी का अधिक सेवन करें। आवश्यकता पडने पर ही घर से बाहर निकलें पूरा शरीर ढका हुआ कपडा पहनकर ही घर से बाहर निकलें।

# कॉलेज चलो अभियान के साथ संकाय परिवर्तन साक्षात्कार भी शुरू

नवभारत न्यूज

**पन्ना, 02 मई। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस छत्रसाल शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पन्ना में सत्र 2026-27 को लेकर शैक्षणिक गतिविधियों में तेजी आ गई है। महाविद्यालय प्रशासन द्वारा एक ओर जहां कॉलेज चलो अभियान द्वितीय चरण के तहत अधिक से अधिक विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा से जोड़ने की पहल की गई है।**

वहीं दूसरी ओर स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर राज्य स्तरीय एकीकृत परीक्षा के अंतर्गत संकाय परिवर्तन हेतु चलित साक्षात्कार के सफल संचालन के लिए भी समितियों का गठन किया गया है। यह कार्यवाही आयुक्त, उच्च शिक्षा संचालनालय, मध्यप्रदेश एवं सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय, उज्जैन के निर्देशों के अनुपालन में की गई है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. एस.डी. चतुर्वेदी द्वारा जारी आदेश के अनुसार कॉलेज चलो अभियान के अंतर्गत मुख्य समन्वय समिति, प्रवेश सहायता केन्द्र, विद्यालय संपर्क, फील्ड सर्वे, काउंसलिंग, प्रचार-प्रसार, प्रवेश मेला, मॉनिटरिंग एवं हेल्पलाइन समितियों का गठन किया गया है। अभियान का उद्देश्य ग्रामीण, छात्राओं एवं आर्थिक रूप से

कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को विशेष रूप से उच्च शिक्षा से जोड़ना है। अभियान के तहत एनएसएस एवं एनसीसी के विद्यार्थियों की सहायता से घर-घर संपर्क कर ड्रॉपआउट विद्यार्थियों की पहचान की जाएगी तथा उन्हें पुनः शिक्षा की मुख्यधारा में लाने का प्रयास किया जाएगा। साथ ही विकासखंड स्तर पर प्रवेश मेला आयोजित कर ऑन-द-स्पॉट पंजीयन एवं करियर काउंसलिंग की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

इसी क्रम में राज्य स्तरीय एकीकृत परीक्षा के तहत स्नातक प्रथम वर्ष में संकाय परिवर्तन के लिए चलित साक्षात्कार हेतु संकाय वार समितियों का गठन किया गया है। विज्ञान, कला एवं वाणिज्य संकाय के विद्यार्थियों के लिए अलग-अलग समितियां बनाई गई हैं, जो निर्धारित अवधि में पात्र विद्यार्थियों का साक्षात्कार लेकर उन्हें विषय परिवर्तन की सुविधा प्रदान करेंगी। स्नातकोत्तर स्तर पर साक्षात्कार संबंधित विभागाध्यक्षों द्वारा आयोजित किया जाएगा, जबकि आईटी एवं ऑनलाइन साक्षात्कार के लिए अलग समिति गठित की गई है, जो पोर्टल अपलोड एवं तकनीकी सहयोग सुनिश्चित करेगी। महाविद्यालय प्रशासन द्वारा साक्षात्कार की अवधि 14 मई तक निर्धारित की गई है, जो प्रतिदिन प्रातः 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक आयोजित होगी। प्राचार्य प्रो. एस.डी. चतुर्वेदी ने बताया कि सभी समितियों को स्पष्ट दायित्व सौंपे गए हैं और कार्यों की नियमित समीक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा कि हर छात्र कॉलेज तक के लक्ष्य के साथ महाविद्यालय पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है, जिससे अधिक से अधिक विद्यार्थी उच्च शिक्षा से लाभान्वित हो सकें।

# विभाग शिकायतों को नहीं कर पाएंगे फोर्स क्लोज

## देखना होगा कि कहां तक होता है निर्देशों का पालन

नवभारत न्यूज

**पन्ना, 02 मई। सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों का शीघ्र समाधान हो, इसके लिए अब संबंधित विभाग के अधिकारी के अलावा लंबित शिकायतें मुख्य सचिव तक पहुंचेंगी।**

सरकार एल-4 के बाद अब एल-5 स्तर को भी जोड़ने जा रही है। यहां मुख्य सचिव और अपर मुख्य सचिव की निगरानी में लंबित शिकायतों का समाधान होगा। एल-1 यानी पहले स्तर के अधिकारी को जवाबदेह बनाने के लिए कार्रवाई विवरण भरने के कालम में संबंधित अधिकारी के हस्ताक्षर अनिवार्य होंगे। इसके अलावा अन्य स्तर पर भी अधिकारियों द्वारा हस्ताक्षर करने का नियम लागू किया जाएगा। सीएम हेल्पलाइन 181 में दर्ज समस्याओं के समाधान में लगातार देरी के बीच राज्य सरकार इसमें यह महत्वपूर्ण बदलाव करने जा रही है।

फोर्स क्लोज करने से पहले शिकायतकर्ता को बताना होगा कारण:- शिकायतों के निराकरण के लिए एल-1, एल-2, एल-3 व एल-4 हैं। एल-1 से एल-3 तक निराकरण नहीं होता है तो वह एल-4 पर जाती हैं।

यहां फिर भी लंबित रहती हैं या उसे फोर्स क्लोज कर दिया जाता है। अब ऐसा करने से पहले एल-5 लेबल पर मुख्य सचिव या अपर मुख्य सचिव भी शिकायतों का समाधान करेंगे।

# लापता हुए नाबालिग को मैहर से किया दस्तयाब, आरोपी गिरफ्तार

नवभारत न्यूज

**पन्ना 02 मई. पन्ना पुलिस ने देवेन्द्रनगर थाना क्षेत्र से लापता हुए 13 वर्षीय नाबालिग बालक को सुरक्षित ढूंढ निकालने में सफलता हासिल की है।**

पुलिस अधीक्षक श्रीमती निवेदिता नायडू के कुशल निर्देशन में टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बालक को मैहर से दस्तयाब किया। मामले में एक आरोपी को भी गिरफ्तार किया गया है, जिससे पूछताछ की जा रही है। घटना के संबंध में पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार वार्ड क्रमांक 13 बमरी निवासी सरस्वती कोरी ने 20 अप्रैल को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनका पुत्र संगम कोरी उम्र 13 वर्ष 19 अप्रैल से लापता है। आशंका जताई गई थी कि कोई उसे बहला-फुसलाकर ले गया है। थाना देवेन्द्रनगर में बीएनएस की धारा 137(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

थाना प्रभारी संतोष यादव के नेतृत्व में टीम ने सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और संभावित ठिकानों पर दबिश दी। कड़ी मशक्कत के बाद पुलिस को जानकारी मिली कि बालक मैहर क्षेत्र में है।

28 अप्रैल को पुलिस टीम ने सगमा सीमेंट फैक्ट्री, मैहर की वाहन पार्किंग से संगम को सकुशल बरामद कर लिया। वहीं, अपहरण के मामले में पुलिस ने आरोपी गुलजीत दहायत उर्फराज उम्र 28 वर्ष, निवासी ग्राम दुबहियाँ को हिरासत में लिया है।

# ग्राम पंचायतों में नजर नहीं आते करोड़ों की लागत से बने चबूतरे, कई मदों की राशि हुई स्वाहा

नवभारत न्यूज

**पन्ना, 02 मई। ग्राम पंचायतों में चबूतरा निर्माण के नाम पर करोड़ों का खेल हुआ है। स्वीकृत कार्यों की तुलना में पचास प्रतिशत कार्य आज तक पूर्ण नहीं हो पाये।**

पोर्टल का डाटा बताता है कि कई वर्षों तक चबूतरा निर्माण के कार्य प्रगतिरत के रूप में दिखते रहे जहां कहीं मनमानी तरीके राशि तो खर्च होती रही किन्तु आज तक स्वीकृत किये गये कार्य पूर्ण नहीं हुये जो एक बड़ी अनियमितता की ओर संकेत करता है। किन्तु दुर्भाग्य का विषय है कि आज तक ऐसे कार्यों की न तो कोई जांच हुई और न ही भौतिक व वित्तीय सत्यापन ही करवाया गया।

कहां बने चबूतरे:- प्राप्त जानकारी के अनुसार विभिन्न योजनाओं के माध्यम से विभिन्न वर्षों में जिले में अब तक में हजारों चबूतरे स्वीकृत किये गये। यदि इसका औसत लागत यदि तीन लाख भी मान ली जाय तो चबूतरा

निर्माण के नाम पर अब तक करोड़ों की राशि खर्च हो चुकी है। किन्तु ग्राम पंचायतों में न तो इन चबूतरों का कहीं दर्शन होता और न ही कोई उपयोग किन्तु वह भी पूर्ण हुआ या नहीं यह भी खोज का विषय है। वहीं शेष चबूतरों के संबंध में पोर्टल ही प्रमाण देता है कि आज तक प्रगतिरत की स्थिति में चल रहे हैं।

**कोई भी योजना नहीं बची जिसका उपयोग नहीं हुआ:-** चबूतरा निर्माण मे ऐसी कोई भी योजना नहीं बची होगी जिसके माध्यम से चबूतरा निर्माण के कार्य स्वीकृत नहीं किये गये होंगे। 14वां वित्त, 14 वां वित्त परफारमेंस ग्रान्ट, 5वां राज्य वित्त, विधायक निधि, स्वकराधान, राज्य वित्त जिला पंचायत, राज्य वित्त जनपद पंचायत आदि कई योजनाओं से चबूतरा निर्माण के कार्य स्वीकृत किये गये। किन्तु किसी भी योजना में ऐसे कार्यों के संबंध में कोई रोक नहीं लगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार सबसे अधिक पंचपरमेश्वर योजना से चबूतरा निर्माण के कार्य स्वीकृत हुये।

हालांकि पंचपरमेश्वर योजना को खाओ पियो योजना भी माना जाता है जहां प्रारंभ से ही इस योजना के कार्यों को लेकर कई तरह की शिकायतें होती रही। इसी प्रकार 14वें वित्त एवं 5वें वित्त की राशि का भी चबूतरा निर्माण के नाम पर दुरूपयोग पंचायतों द्वारा किया गया है।

### आखिर कई वर्षों से कार्य अपूर्ण होने का कारण क्या ?

बड़ा सवाल यह है कि जो कार्य एक सप्ताह में पूरा हो जाना चाहिये वह चार साल, पांच साल एवं दस साल तक पूरा क्यों नहीं हो पाया? ऐसे कार्यों पर यदि शासर की योजनाओं की करोड़ों की राशि खर्च होती है उसे निष्फल क्यों नहीं माना जाना चाहिये। इसके अलावा दोषी लोगों से निष्फल व्यय की वसूली क्यों नहीं होनी चाहिये? किन्तु जिला पंचायत से लेकर जनपदों तक पदस्थ जिम्मेदार अधिकारियों ने ऐसे प्रकरणों को स्वयं संज्ञान आज तक नहीं लिया। लिहाजा करोड़ों की राशि भ्रष्टाचारियों की जेब में चली गई।

### कोई मानक निर्धारित नहीं

देखा जाता है कि हर कार्य का एक मानक होता है, एक निर्धारित माडल होता है, जहां एक सीमा तक ही राशि खर्च की जा सकती है। किन्तु चबूतरा निर्माण के लिये कोई मानक आज तक निर्धारित नहीं हो पाया। लिहाजा कोई पंचायत उसे डेढ लाख में तो कोई दो लाख में और कोई पांच और सात लाख में बना रही हैं जो जितना अधिक हजम कर सकता है उतनी राशि इस कार्य के नाम पर स्वीकृत कर रहा है। पिछले कुछ समय से तो चबूतरे का एक नया माडल भी तैयार किया जा चुका है जिसे छतदार चबूतरा कहा जाता है। यानी पहले चबूतरे के निर्माण के नाम पर हजम करों फिर उसके ऊपर छत के निर्माण के नाम पर राशि हजम करो। इस तरह से चबूतरे के नाम पर होने वाला भ्रष्टाचार एक प्रमाणित मामला है। आवश्यकता केवल यह है कि इसकी जांच कौन करता है और कब करता है। यदि इस तरह के मामलों में ईओडब्ल्यू कभी संज्ञान लेगा तो कोई भी पंचायत आरोप से शायद नही बच पायेगी।

# आंधी तूफान से जन जीवन प्रभावित बिजली के उखड़े पोल, गिरे पेड़

नवभारत न्यूज

**पन्ना, 02 मई। मौसम में अचानक परिवर्तन के बाद आज पन्ना जिले के अमानगंज नगर में एक बार नहीं बल्कि दो दो बार दिन में तेज आंधी तूफान के साथ पानी ने अपनी दस्तक दी है प्रातः काल हुए तूफान में टीन के चद्दर अचानक उड़कर एक लग्जरी कार के ऊपर जा गिरे जिससे कार पूरी तरह ध्वस्त हो गई।**

यह घटना कल्पना इन होटल के सामने घटित हुई। इसी तरह शाम के समय तेज आंधी तूफान के साथ पानी ने अपनी दस्तक दी। तेज पानी तूफान की वजह से कई व्यापारियों के टीन सेट हवा में लहराते नजर आए साथ ही कई किसानों के आम के बगीचों में भारी नुकसान की खबर सामने आई है जहां आम पूरी तरह से आंधी तूफान और पानी का सामना नहीं कर सका और मैदान में आकर झर गया। यह आंधी तूफान का मुख्य असर गल्ला व्यापारियों, और किसानों पर देखने को मिला।

गेहूं खरीदी केंद्र में पर्याप्त व्यवस्था और सुरक्षा न होने से किसानों का गेहूं खरीदी केंद्रों में भी प्रभावित हुआ वहां गेहूं के साथ और भी अनाज आंधी तूफान और पानी से प्रभावित हो गए। तेज आंधी तूफान की वजह से नगर के कई विद्युत पोल धराशाई हो गए। लाइने जो अत्यंत पुरानी है कई स्थानों से टूट गई और घंटो शहर की सप्लाई बंद रही।

जबकि इन्ही विद्युत लाइनों को मजबूत और नवीन लगाने के लिए पहले बजट आ चुका है परंतु वह बजट कहां लगाया गया और लाइन कैसे और कहां बदली गई यह आज भी किसी को पता नहीं।

# अब अवकाश के दिन नहीं कटेगा बिजली कनेक्शन

नवभारत न्यूज

**पन्ना, 02 मई। मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड ने स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं के लिए बकाया वसूली एवं बिजली विच्छेदन प्रक्रिया को लेकर नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं।**

इन नियमों का उद्देश्य बिजली बिल वसूली व्यवस्था को पारदर्शी बनाना तथा उपभोक्ताओं को निर्धारित प्रक्रिया के तहत सेवाएं उपलब्ध कराना है। नई व्यवस्था के अनुसार अब स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं की बिजली आपूर्ति केवल सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे के बीच ही काटी जा सकेगी। निर्धारित समय के बाहर किसी भी स्थिति में कनेक्शन नहीं काटा जाएगा।

इसके अलावा रविवार और शासकीय अवकाश के दिनों में बिजली विच्छेदन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

### पूरी प्रक्रिया होगी रिमोट सिस्टम से

विभाग के अनुसार बिजली काटने और पुनः जोड़ने की पूरी कार्रवाई स्मार्ट मीटर के रिमोट सिस्टम से ही की जाएगी। इसमें किसी भी प्रकार का मैनुअल हस्तक्षेप नहीं होगा।

# रूंज बांध के पास आरामगंज में भू-माफिया व रेत माफिया का सैकड़ों एकड़ भूमि पर कब्जा

## सत्ताधीशों के संरक्षण प्राप्त रेत माफिया से भू-माफिया बने रसूखदारों ने सैकड़ों एकड़ वन एवं राजस्व भूमि पर किया अवैध कब्जा

नवभारत न्यूज

**पन्ना, 02 मई। पन्ना जिले में आरामगंज एवं उसके पास सत्ता संरक्षित दबंग लोगो द्वारा लगभग 200 एकड़ वन एवं राजस्व भूमि पर अवैध कब्जा किया गया है। चूंकि कार्यवाही इसलिये नही होती कि सत्ता चाहे भाजपा की रहे या कांग्रेस की उनके परिजनों में से आधे कांग्रेस के दंबंग नेता बने है तो आधे भाजपा में अपना कब्जा जमाये है इसलिये सत्ता किसी की भी रहे उनके दोनो हाथों में लड्डु है।**

यही कारण है कि वर्ष 2019 से लेकर 2023 के मध्य रूंझ डेम के लिये हो रही खुदाई एवं हीरा धारित चाल को इन्हीं दबंगो द्वारा हजारो डंफर एकत्रित कराकर हीरे को तराशा गया। जनचर्चा से पता चला कि बेशकीमती हीरे मिले है और जब गरीब लोग रूंझ डेम की जलधारा में हीरा तलाशने का कार्य किया गया था तो राजनैतिक आकाओ के इशारे में उन्हें वन एवं पुलिस विभाग की संयुक्त कार्यवाही के द्वारा खदेड दिया गया था। वहीं अपुष्ट सुत्रों से यहां तक जनचर्चा रही है कि चूंकि उक्त भू-माफिया दूसरा कारोबार जो रेत का है उन रेत के डंफरो में सागौन काटकर जिले के बाहर भेजा गया है।

आज स्थिति यह है कि गरीबों का तो विस्थापन हो गया लेकिन इन रसूखदारों की पट्टे एवं अवैध कब्जे की जमीनों पर कोई आंच नही आयी। वहीं जब रूंझ डेम बनकर तैयार होगा तो इन्हीं माफियाओं की जमीनो पर स्थाई सिंचाई सुविधा हो जाने से सोना उगलेंगी। आज वन एवं राजस्व विभाग में किसी की मजाल नही है कि इन दबंग माफियाओं की अवैध जमीनों को कब्जे से मुक्त करा सके।

ज्ञात हो कि पन्ना जिले के अजयगढ़ क्षेत्र में जहां रूंज नदी में बांध बन रहा है उससे लगी हुई वन भूमि जो बांध कैचमेंट एरिया से बाहर है वहां पर स्थानीय कुछ लोगो के द्वारा अवैध कब्जा किया गया है। तथा उक्त क्षेत्र में यदि निष्पक्ष रूप से जांच की जाय तथा वन विभाग व राजस्व विभाग का संयुक्त दल सीमांकन करे तो अवैध कब्जा की हुई जमीन को सही तरीके से पता लगाया जा सकता है लेकिन यह साहस न तो वन विभाग में है और न ही राजस्व विभाग में क्योंकि सागौन के पेड़ो सहित अवैध कटाई कर राजनैतिक संरक्षण प्राप्त रसूखदार लोगो द्वारा खेती की जा रही है। विश्रामगंज एवं आरामगंज ग्राम के लोगो ने बताया कि हर वर्ष यहां जंगल में लगे सागौन के 400 से 500 पेड काटे जाते हैं तथा जोत जमीन बना ली जाती है।

यह काम प्रभावशाली लोगो द्वारा किया जा रहा है तथा विगत 10 वर्ष पूर्व से यह अवैध काम अनवरत् रूप से जारी है। न तो वन विभाग द्वारा इस संबंध में ध्यान दिया गया और न ही राजस्व व प्रशासनिक अधिकारियों ने कभी कोई कार्यवाही की। रूंज बांध के बाहर सडक की तरफएवं दक्षिण व पूर्व दिशा में पहाड़ी की तरफपेडो को काटकर खेत बना लिए गए हैं। मालुम हो कि यदि वन विभाग द्वारा ध्यान नहीं दिया गया तो विश्रामगंज व आरामगंज ग्राम व रूंज बांध के आस पास यह काम लगातार चलता रहेगा।

### अवैध तरीके से करोड़ों के हीरे भी निकाले गए

यहां पर प्रधानमंत्री आवास योजना के जो घर बनाए गए हैं तथा नई बस्ती के रूप में स्थापित की जा रही है वह सड़क के एक किनारे पर है। जिन लोगो द्वारा उक्त मकान बनाए गए हैं वह पास में ही अवैध अतिक्रमण भी किए थे लेकिन उनके अतिक्रमण को दबंगो द्वारा छुड़ा लिया गया है। सूत्रो के माध्यम से जानकारी प्राप्त हुई है कि रूंज बांध के आस पास सागौन काटकर वन भूमि व राजस्व भूमि में जो अतिक्रमण किया गया है उसके सागौन की बोंगिया रेत के डंफर व ट्रको में रखकर तथा ऊपर से रेत भरकर वर्ष 2019 से लेकर 2023 के बीच में जिले से बाहर भेजी गई। वहीं हजारों डंफर चाल जिसमें हीरा तराशने का कार्य हुआ इन रसूखदार लोगो द्वारा एकत्रित कर करोड़ो के हीरे भी निकाले गये उन पर आज तक कोई कार्यवाही नही हुई।